बी.ए. संस्कृत तृतीय वर्ष (2020–21)

सामान्य निर्देश –

1. प्रत्येक परीक्षा में दो–दो प्रश्नपत्र होंगे।
2. प्रत्येक प्रश्नपत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 36 तथा पूर्णांक 100 होंगे और समय 3 घण्टे का होगा।
3. परीक्षा का माध्यम हिन्दी/अंग्रेजी होगा , परन्तु प्रश्नपत्र केवल हिन्दी में बनाया जायेगा। परीक्षार्थी को छूट होगी कि वह हिन्दी,संस्कृत अथवा अंग्रेजी में किसी एक भाषा में उत्तर दे सके । यदि परीक्षक ने किसी प्रश्न विशेष के लिए भाषा का निर्देश कर दिया है तो उस प्रश्न का उत्तर उसी भाषा में देना अनिवार्य होगा।
4. संस्कृत केवल देवनागरी लिपि में ही लिखा जाना अपेक्षित है।
5. निर्धारित ग्रन्थ में से अनुवाद, व्याख्या, सरलार्थ एवं समालोचनात्मक प्रश्न पूछे जावेंगे।
6. प्रत्येक प्रश्नपत्र में 10 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा में उत्तर के लिये निर्धारित हैं।
7. प्रत्येक प्रश्नपत्र में दो भाग होंगे, जिसमें प्रथम 'अ' भाग लघूत्तरात्मक प्रश्नों का होगा। 'ब' भाग में निबन्धात्मक प्रश्न होंगे। 'अ' भाग में कुल 15 प्रश्न होंगे, जिनका पूर्णांक 30 होगा।

प्रथम प्रश्न–पत्र : भारतीय दर्शन एवं व्याकरण

1. श्रीमद्भगवद्गीता – (2,3 अध्याय) — 30 अंक
2. तर्कसंग्रह — 30 अंक
3. तिङन्त–लघुसिद्धान्तकौमुदी के आधार पर 'भू', एवं एध् धातु की लट्, लोट्, लृट्, लङ् एवं विधिलिङ् इन पांच लकारों में एवं समस्त गणों की प्रथम धातुओं की लट् लकार में रूपसिद्धि एवं सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या — 40 अंक

कुल योग — 100 अंक

अंक– विभाजन

क्र.सं.	पाठ्यवस्तु	'अ' भाग प्रश्न संख्या	अंक	'ब' भाग प्रश्न संख्या	अंक	अंको का योग
1.	श्रीमद्भगवद्गीता	लघूत्तरात्मक 5	10	1. दो श्लोक व्याख्या 2. एक विवेचनात्मक प्रश्न	7+7 6	10+20=30
2.	तर्कसंग्रह	लघूत्तरात्मक 4	8	1. दो व्याख्या (01संस्कृत में अनिवार्य) 2. एक विवेचनात्मक प्रश्न	6+10 6	8+22=30
3.	व्याकरण तिङन्त	लघूत्तरात्मक 6	12	4 सूत्रों की व्याख्या 4 पदों की व्याख्या	4x3=12 4x4=16	12+28=40
कुल योग		15	30	06	70	100

प्रश्नपत्र निर्माता के लिए निर्देश

1.	श्रीमद्भगवद् गीता	'अ' भाग	5 लघूत्तरात्मक प्रश्न प्रति प्रश्न 2 अंक	10 अंक
		'ब' भाग	4 श्लोकों में से 2 की सप्रसंग व्याख्या।	7+7 = 14 अंक
			2 प्रश्नों में से एक प्रश्न	06 अंक
2	तर्कसंग्रह	'अ' भाग	4 लघूत्तरात्मक प्रश्न प्रति प्रश्न 2 अंक	8 अंक
		'ब' भाग	4 गद्यांशों में 2 की व्याख्या जिनमें से 01 की व्याख्या संस्कृत में अनिवार्य है। (संस्कृत व्याख्या 10 अंक)	6+10 अंक
			2 प्रश्नों में से एक प्रश्न प्रष्टव्य है।	06 अंक
3	व्याकरण तिङन्त	'अ' भाग	6 लघूत्तरात्मक प्रश्न प्रति प्रश्न 4 अंक	12 अंक
		'ब' भाग	8 सूत्र पूछकर किन्हीं 4 की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है। प्रति व्याख्या 3 अंक निर्धारित।	4x3 = 12 अंक
			8 पदों में से किन्हीं 4 पदों की सूत्र निर्देशपूर्वक सिद्धि। प्रत्येक सिद्धि हेतु 4 अंक	4x4 = 16 अंक
	कुल अंक योग			100 अंक

सहायक पुस्तकें

(क) तर्कसंग्रह – अथल्यं एंव कोडास, पूना
तर्कसंग्रह – चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
तर्कसंग्रह– डॉ. रामसिंह चौहान, अलंकार प्रकाशन, जयपुर

(ख) गीता
भगवद्गीता– गीताप्रेस, गोरखपुर
भगवद्गीता, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
गीता रहस्य–तिलक
भगवद्गीता 2,3,4 अध्याय, डॉ. शिवसागर त्रिपाठी
श्रीमद्भगवद्गीता (2,3,4 अध्याय)– व्या. डॉ. राजेन्द्रप्रसाद शर्मा, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर

(ग) व्याकरण
1. लघुसिद्धान्त कौमुदी–तिङन्त प्रकरण–डॉ. पुष्कर दत्त शर्मा, अजमेरा बुक कम्पनी, जयपुर
2. लघुसिद्धान्त कौमुदी–पं. श्री हरेकान्त मिश्र, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली

3. पाणिनीय व्याकरण का अनुशीलन आर एस भट्टाचार्य, इंडोलोजिकल बुक हाउस, बनारस
4. लघुसिद्धान्त कौमुदी–हिन्दी व्याख्या, डॉ. अर्कनाथ चौधरी, आयुर्वेद हिन्दी संस्कृत पुस्तक भंडार, जयपुर
5. लघुसिद्धान्त कौमुदी– भीमसेन शास्त्री
6. लघुसिद्धान्त कौमुदी– महेशसिंह कुशवाह, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान दिल्ली।
7. लघुसिद्धान्तकौमुदी–तिङन्त प्रकरण, डॉ.सुभाष वेदालंकार, अलंकार प्रकाशन, जयपुर
8. तर्कसंग्रह– व्याख्याकार डॉ. दयानन्द भार्गव, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली

द्वितीय प्रश्नपत्र– काव्य, धर्मशास्त्र, एवं निबन्ध

समय : 3घण्टे **अंक–100**

द्वितीय प्रश्न पत्र के दो भाग होंगे, जिसमें 'अ' भाग बहुविकल्पीय (वस्तुनिष्ठ) एवं लघूत्तर प्रश्नों का होगा। 'ब' भाग में निबन्धात्मक प्रश्न होंगे। 'अ' भाग में कुल 15 प्रश्न होंगे, जिनका पूर्णांक 30 अंकों का होगा। इनके समाधान हेतु एक घण्टा की अवधि निर्धारित की गई है। 'ब' भाग का पूर्णांक 70 अंकों का होगा, जिसके लिये शेष दो घण्टे की अवधि निर्धारित है।

पाठ्यक्रम

1.रघुवंशम् – षष्ठम् सर्ग (इंदुमति स्वयंवर) 20 अंक
2. महाभारत (व्यास)–उद्योग पर्व, विदुरनीति (34 अध्याय) 20 अंक
3. रामायण (वाल्मीकि) बालकाण्ड, प्रथम सर्ग 20 अंक
4 पंचतंत्र (अपरीक्षितकारक) 20 अंक
5. निबंधरचना – संस्कृत में– संस्कृत भाषायाः महत्त्वम्, विद्या महिमा, परोपकारः, सत्संगतिः, 10 अंक
मम प्रिय कविः, आचारः, मातृभूमिः, राजस्थान गौरवम्
6. कारक प्रकरण –तृतीया, चतुर्थी, पंचमी विभक्ति के सूत्रों में से 2 सूत्रों का वाक्यों में प्रयोग 2X5= 10 अंक

क्र. सं.	नाम पुस्तक	लघूत्तरात्मक प्रश्न	अंक	निबन्धात्मक प्रश्न संख्या	अंक	अंको का योग
1	रघुवंशम् षष्ठम् सर्ग (इन्दुमति स्वयंवर)	04	08	1. एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या 2. एक विवेनात्मक प्रश्न	6 6	20
2	महाभारत (विदुरनीति)	04	08	1. एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या 2. एक विवेनात्मक प्रश्न	6 6	20
3	रामायण (बालकाण्ड–प्रथमसर्ग)	04	08	1. एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या 2. एक विवेनात्मक प्रश्न	6 6	20
4	पंचतंत्र (अपरिक्षितकारक)	03	06	1. एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या 2. एक विवेनात्मक प्रश्न	7 7	20
5	निबंध रचना संस्कृत में			4 में से 1 निबंध संस्कृत में	10	10
6	कारक प्रकरण			2 सूत्रों का संस्कृत वाक्य में प्रयोग	10	10
	कुल योग	**15**	**30**	**09**	**70**	**100**

प्रश्न पत्र निर्माता के लिए निर्देश

1.	रघुवंश छठा सर्ग (इन्दुमति स्वयंवर)	'अ' भाग	4 लघूत्तरात्मक प्रश्न प्रति प्रश्न 2 अंक	08 अंक
		'ब' भाग	2 श्लोकों में से 1 की सप्रसंग व्याख्या	06 अंक
			2 प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित	06 अंक
2	महाभारत विदुर नीति	'अ' भाग	4 लघूत्तरात्मक प्रश्न प्रति प्रश्न 2 अंक	08 अंक
		'ब' भाग	2 श्लोक पूछकर उनमें से किसी 1 की सप्रसंग व्याख्या	06 अंक
			2 प्रश्न पूछकर उनमें से किसी 1 का उत्तर अपेक्षित।	06 अंक
3	रामायण	'अ' भाग	4 लघूत्तरात्मक प्रश्न प्रति प्रश्न 2 अंक	08 अंक
		'ब' भाग	2 श्लोक पूछकर उनमें से किसी 1 की सप्रसंग व्याख्या	06 अंक
			2 प्रश्न पूछकर उनमें से किसी 1 का उत्तर अपेक्षित।	06 अंक
4	पंचतंत्र (अपरीक्षिकारक)	'अ' भाग	03 लघूत्तरात्मक प्रश्न प्रति प्रश्न 2 अंक	06 अंक
		'ब' भाग	2 श्लोक पूछकर उनमें से किसी 1 की सप्रसंग व्याख्या	07 अंक
			2 प्रश्न पूछकर उनमें से किसी 1 का उत्तर अपेक्षित।	07 अंक
5	निबन्ध	'ब' भाग	4 विषय देकर उनमें से किसी 1 विषय पर संस्कृत में निबन्ध लेखन	15 अंक
6.	**कारक प्रकरण**	**'ब' भाग**	**1.** चार सूत्र देकर 2 की सोदाहरण व्याख्या 2.5 + 2.5	**05 अंक**
			2. चार सूत्रों में 2 का संस्कृत वाक्यों में प्रयोग 2.5 + 2.5	**05 अंक**
	कुल अंक			**100 अंक**

सहायक पुस्तकें

रघुवंशम् –

1. 1.रघुवंश –कालिदास, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली।

महाभारत –विदुर नीति

1. विदुरनीति– डॉ. कृष्णकान्त शुक्ल, साहित्य भंडार, मेरठ।
2. विदुरनीति– श्री रेवतीरमण शास्त्री, यूनिक टेडर्स जयपुर।

रामायण

1. रामायण–वाल्मीकिकृत – गीताप्रेस, गोरखपुर।
2. रामायण–वाल्मीकिकृत – के. सी. पख, निर्णयसागर प्रेस, मुम्बई।
3. रामायणकालीन भारत– व्यास एवं पाण्डेय, आत्माराम एंड संस, दिल्ली
4. लेक्चर्स ऑन रामायण मद्रास साहित्य अकादमी, मद्रास।

1. पंचतन्त्र अपरीक्षितकारक

2. इन्द्रविजय—डॉ. श्रीकृष्ण ओझा, राजप्रकाशन मंदिर, चौड़ा रास्ता, जयपुर

निबन्ध रचना

1. प्रबन्ध रत्नाकर, श्री आर सी शुक्ल
2. प्रस्ताव तरंगिनी—श्रीवासुदेव शास्त्री
3. संस्कृत निबन्धरत्नाकर—शिवप्रसाद भारद्वाज
4. संस्कृत निबन्धकलिका डॉ. रामजी उपाध्याय
5. संस्कृत निबन्धादर्श डॉ. राममूर्ति शर्मा
6. संस्कृत निबन्ध एवं व्याकरण – पं. चण्डीप्रसाद
7. निबन्ध—चन्द्रिका—कृष्णदेव उपाध्याय, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली
8. निबन्ध—निवेश—रामअवध शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
9. निबन्ध शतकम्, कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
10. निबंधमंजरी, डॉ. राममूर्ति आचार्य आगरा प्रकाशन, दिल्ली
11. निबन्ध आदर्श, म.म. श्री गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली
12. संस्कृत निबन्ध रचना, डॉ. श्रीकृष्ण ओझा, राज प्रकाशन मंदिर, जयपुर
13. संस्कृत निबंध पारिजात, डॉ. सुभाष वेदालंकार, अलंकार प्रकाशन
14. संस्कृत निबन्ध, डॉ. नन्दकिशोर गौतम एवं श्रीकृष्ण विहारी भारतीय

अथवा

द्वितीय प्रश्नपत्र 'ब' – भारतीय ज्योतिष, तिथि निर्णय एवं पंचांग परिचय

समय : 3घण्टे **अंक—100**

इस प्रश्न पत्र के दो भाग होंगे, जिसमें 'अ' भाग बहुविकल्पीय (वस्तुनिष्ठ) एवं लघूत्तर प्रश्नों का होगा। 'ब' भाग में निबन्धात्मक प्रश्न होंगे। 'अ' भाग में कुल 15 प्रश्न होंगे, जिनका पूर्णांक 30 अंकों का होगा। इनके समाधान हेतु एक घण्टा की अवधि निर्धारित की गई है। 'ब' भाग का पूर्णांक 70 अंकों का होगा, जिसके लिये शेष दो घण्टे की अवधि निर्धारित है। 10 अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से उत्तर देने के लिए निश्चित है।

पाठ्यक्रम

1— भारतीय ज्योतिष के प्रारम्भिक सिद्धान्तों का परिज्ञान — 70 अंक

(क) शीघ्रबोध (काशीनाथ दैवज्ञ) – प्रथम प्रकरण (लतापातादि दस दोष रहित) — 30 अंक

(ख) फलित प्रबोधिनी (विनोद शास्त्री) — 40 अंक

2— तिथि—निर्णय के सामान्य सिद्धान्त, प्रमुख व्रतपर्व तथा पंचांग का सामान्य परिचय – काल के छः भेद, वर्ष के पांच भेद, अयन, ऋतु, मास, पक्ष, तिथि, क्षय, वृद्धि संक्रान्ति निर्णय, दानादि, अधिकमास—क्षयमास में वर्ज्यावर्ज्य, मलमास, कर्म के भेद एवं निणर्य, प्रदोषव्रत, जन्माष्टमी, गणेशचतुर्थी, रामनवमी, नवरात्र स्थापना, महालय (श्राद्ध), दीपावली, होलिका आदि का सामान्य ज्ञान अपेक्षित है। पंचांग परिचय में तिथि, वार, नक्षत्र, वार, योग, करण का ज्ञान तथा पंचांग की सहायता से गुण मिलान, विवाह मुहूर्त निर्णय, गृहारम्भ, ग्रहप्रवेश आदि जानने की रीति का ज्ञान अपेक्षित है। — 30 अंक

अंक–विभाजन

क्र. सं.	नाम पुस्तक	लघूत्तरात्मक प्रश्न	अंक	निबन्धात्मक प्रश्न संख्या	अंक	कुल अंक
1	(क) शीघ्रबोध	05 (लघु.)	10	02	21	10+20 =30
	(ख) फलित प्रबोधिनी	04 (लघु.)	08	02	28	08+32 =40
2	तिथि–निर्णय व पंचांग परिचय	06 (लघु.)	12	02	21	12+18 =30
		15	30	06	70	100

प्रश्नपत्र निर्माता के लिए निर्देश–

1.	भारतीय ज्योतिष (क) शीघ्रबोध	5 लघूत्तरात्मक प्रश्न प्रति प्रश्न 2 अंक।	10 अंक
		4 निबन्धात्मक प्रश्न पूछकर 2 प्रश्नों के उत्तर अभीष्ट – प्रति प्रश्न 10 अंक निर्धारित	20 अंक
	(ख)फलित ज्योतिष	4 लघूत्तरात्मक प्रश्न प्रति प्रश्न 2 अंक।	08 अंक
		4 निबन्धात्मक प्रश्न पूछकर 2 प्रश्नों के उत्तर अभीष्ट – प्रति प्रश्न 16 अंक निर्धारित	32 अंक
2.	तिथि–निर्णय व पंचांग परिचय	6 लघूत्तरात्मक प्रश्न प्रति प्रश्न 2 अंक।	12 अंक
		4 निबन्धात्मक प्रश्न पूछकर 2 प्रश्न का उत्तर अभीष्ट। (पंचाँग परिचय संस्कृत में)	18 अंक

सहायक पुस्तकें –

1. शीघ्रबोध – पं. काशीनाथ देवज्ञ, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी
2. फलित प्रबोधिनी–डॉ. विनोद शास्त्री, राजस्थान ज्योतिष परिषद् एवं शोध संस्थान, जयपुर
3. तिथि–निर्णय के प्रमुख सिद्धान्त एवं विशिष्ट तिथि पर्व निर्णय प्रकाशक–राजस्थान ज्योतिष परिषद् एवं शोध संस्थान, त्रिपोलिया, जयपुर
4. पंचांग का सामान्य परिचय, पं. शिवचरण शास्त्री एवं विकास शर्मा, प्रकाशक– राजस्थान ज्योतिष परिषद् एवं शोध संस्थान, त्रिपोलिया, जयपुर
5. विभिन्न प्रकाशित पंचागों की सहायता भी ग्राह्य है, जिसमें जयपुर पंचांग पं. दामोदर शर्मा कृत ग्राह्य है।